

## **Strengthening of Biofertilizer Production Lab at RRS, Bawal**

### **Principal Investigator:**

**Dr. D.V. Pathak**  
**Principal Scientist (Microbiology)**  
**CCS HAU, RRS, Bawal**

### **Introduction:**

- Biofertilizers are integral part of INM.
- They help in build up of soil organic carbon.
- Improve crop productivity and crop production.
- Reduces cost of cultivation.

### **Objectives:**

- Upgradation of Biofertilizer Production Lab at Regional Research Station Bawal to meet out the demand of farmers of SW Haryana.
- Motivation of farmers through trainings and exposure visits for promotion of biofertilizers use.

### **Programme of work**

- Renovation of lab and purchase of instruments for quality biofertilizer production.
- Motivation and Training to Farmers
- Farmers of SW Haryana are the direct beneficiaries as availability of quality biofertilizers will increase productivity of the crops.

### **Budget Estimates**

Total Budget Allocation	35.0 lakhs
Budget Expenditure during 1st year	4.51 lakhs
Budget Expenditure during 2nd year	28.50 lakhs
Budget Remaining (in process)	1.5 lakhs

### **Significant Achievements**

- Five one day trainings were organized in six districts of SW Haryana during 2017-18.
- Three hundred farmers were benefitted.
- Exposure visit of 26 progressive farmers of SW Haryana was arranged to visit IARI, New Delhi; HAIC, Murthal for mushroom cultivation and Organic farm Gurukul, Kurukshetra . This was two days visit on 12th and 13th Dec, 2018.
- Five one day trainings on biofertilizer use were also organized in five districts viz; Rewari, Jhajjar, Mohindergarh, Bhiwani and Palwal. From these trainings 300 farmers were benefitted.

### **Beneficiaries' details**

<b>Project name</b>	<b>Small</b>	<b>Marginal</b>	<b>SC/ ST</b>	<b>Women</b>	<b>Others/ SHG</b>	<b>Total no. of beneficiaries</b>
Strengthening of Biofertilizer lab at RRS Bawal	162	138	51	39	-	300

## Glimpse of project

### Media coverage of training at KVK, Mahendergarh

## जागरण सिटी नारनौल/महेंद्र

# महेंद्रगढ़ क्षेत्र के किसानों ने जीवाणु खाद के महत्व के बारे में जाना

जीवाणु खादों के महत्व पर एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित

जागरण संवाददाता, महेंद्रगढ़ : कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ में क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बाकल द्वारा फसलों में जीवाणु खादों के महत्व पर एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के 60 महिला-पुरुष किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुब्बा ने की।

उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में मधुमक्खी पालन ईकाई का शुभारंभ किया तथा किसानों को मधुमक्खी पालन अपनाने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने किसानों को बताया कि शीघ्र ही किसानों की मांग पर केंद्र परिसर में कृषि विज्ञान केंद्र तकनीकी अपनाकर तैयार उत्पादों की बिक्री के लिए बिक्री केंद्र खोला जाएगा। इस केंद्र से किसान उन्नत किस्म के बीज व जीवाणु खाद भी प्राप्त कर सकेंगे। केंद्र की वरिष्ठ संयोजिका डा. सुधा छिकारा किसानों



कृषि विज्ञान केंद्र में महिला किसान को पुरस्कृत करते कृषि वैज्ञानिक • जागरण

को फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक तरीके से खेती करने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना प्रोजेक्ट के संचालक डा. धर्मवीर पाठक ने जीवाणु खादों का महत्व, प्रयोग

का समय, विधि व लाभों के बारे में किसानों को विस्तार से अवगत कराया। डा. रमेश कुमार ने बताया कि जीवाणु खाद फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में सहायक है तथा इनके प्रयोग से वातावरण

में मौजूद नाइट्रोजन पौधों को मिलती है। डा. जयलाल यादव व डा. नरेन्द्र यादव ने किसानों को फसलों में लगने वाले कीटों एवं बिमारियों की रोकथाम तथा कीट नाशकों का सही मात्रा व ठीक समय उपयोग के बारे में जानकारी दी। डा. अशोक हिल्लो ने जीवाणु खादों से होने वाले आर्थिक फायदे व किसानों की आमदनी दोगुनी करने के बारे में विस्तार से बताया। डा. राजपाल यादव मृदा वैज्ञानिक ने बदलते मौसम में फसलों का प्रबंधन, जैविक खेती को अपनाने के तरीके तथा अन्य खादों के संतुलित प्रयोग के बारे में बताया। डा. सुशील शर्मा ने बागवानी फसलों में जीवाणु व जैविक खादों के प्रयोग व महत्व के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले अनेक किसानों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में यादवेन्द्र सिंह उप अधीक्षक, नवीन डाबर कम्प्यूटर प्रोग्रामर सहित अनेक किसान उपस्थित थे।

## Media coverage of training at Charkhi Dadri



## Training at RRS, Bawal



**Exposure visit to HAIC, Murthal**



**Exposure visit of farmers to IARI, New Delhi**



**Exposure visit of farmers to IARI, New Delhi**

